नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सरकार जल्दी लागू करेगी विश्व हिंदी सम्मेलन की सिफारिशें

कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने प्रस्तुत किया प्रतिवेदन

वर्धा, 13 अप्रैल 2016: हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में लिए गये फैसलों को भारत सरकार जल्दी से जल्दी लागू कराएगी। यह बात विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने मंगलवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कही। सुषमा स्वराज ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित जो भी सिफारिशें है वें तैयार हो गयी हैं और उन्हें मंत्रालयों को भेजा जा रहा है ताकि उनपर अमल किया जा सके।

नई दिल्ली में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को भोपाल में सम्पन्न हुए 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के प्रतिवेदन की प्रति प्रस्तुत की। प्रतिवेदन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विदेश मंत्रालय आदि से जुड़ी सिफारिशें शामिल हैं। 'हिंदी जगत : विस्तार एवं

संभावनाएं' शीर्षक से प्रकाशित इस प्रतिवेदन में सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर 12 सत्रों में हुई चर्चाओं और सिफारिशों का विस्तृत विवरण दिया गया है। इस प्रतिवेदन में हिंदी के प्रचार-प्रसार, संवर्धन और उसे आधुनिक विश्व भाषा का रूप देने के लिए आए कई मौलिक सुझाओं को पेश किया गया है। चार सौं से अधिक पृष्ठों का यह प्रतिवेदन अपनी साज सज्जा की दृष्टि से बेहद सुंदर और प्रभावशाली है। इसकी

सुंदरता भोपाल के भव्य और सुरुचिपूर्ण कार्यक्रम की एक झांकी प्रस्तुत करती है। प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के अलावा विदेश राज्यमंत्री जनरल वी. के. सिंह और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री किरण रिजीजू भी उपस्थित थे। 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन का प्रतिवेदन तैयार करने का दायित्व विदेश मंत्रालय ने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा को सौंपा था।